

होमजुज पर ईरान के साथ पहले से कोई समझौता नहीं: जयशंकर p5

NBT नवभारत टाइम्स

क्रिकेट में दबदबा देखने का सपना सच हो रहा: मिताली p9



फटाफट खबरें

प्रदूषण घटने के बाद GRAP-1 हटा



हरियाणा के बाद रोमवार को दिल्ली को हटा कुछ और सुधरी और GRAP-1 को हटा दिया गया। अब शुद्ध जलाने में कोयले और लकड़ी के इस्तेमाल पर रोक नहीं होगी। इमारतों में डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर रोक भी हटा गई है।

छुट्टी लेने पर टोका तो मार दी गेली

लौनी में पञ्जाब एंड सिख बैंक के मैनेजर को मारने में बेटी मारकर हत्या कर दी। बैंक मैनेजर ने रोमवार को बार्ड को दफ्तरी पर लौटा देने और पञ्जाब छुट्टी लेने पर टोका था। अखीर है कि इस पर मारने में लाहवरी बंदक से मारी मार दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हरीश की दया मृत्यु में लगेगा वक्त

SC के जस्टिस के बाद हरीश राणा की निष्पक्ष दख मुपु (पैरिस युधनियम) को लेकर एक्स में असेसमेंट जारी है। डॉ. रीम मिश्रा की अगुवाई में डॉक्टरी की टीम पैलेटिव केयर में छुट्टी है, जो सिखी बनी हुई है, उसमें सब समाप्त लग सकता है।

युवराज को इसाफ का इतजार



60 दिन बाद भी SIT रिपोर्ट नहीं

मुकद्दस रमजान

इफतार मंगलवार सुबनी 6:21 pm शिया 6:42 pm

सहरी बुधवार सुबनी 5:27 am शिया 4:59 am

हैपी मॉनिंग

पेपर में सबल आग कि ओखी में अनुभव करे- 'सोचिए अंग राजा है' टिकू ने अनुभव किया, फिले पदकर ओखी की भी अलग वाप गई- 'Satisfaction is a general account'

अर्थसार

सोरोसा 75.50,82 (+988.93) निचिटी 23,403.80 (+257.70) सफूस डॉलर 92.39 (-0.04) सफूस 105.58 (-0.71)

सर्वाफा

योग स्टैंडर्ड (99.5 बुद्धिम) 10 बज दिवसीय ₹1,60,250 (-2,950) यात्री 999 टंग प्रति किरो दिल्ली ₹2,56,500 (-9,000)

मौसम

अधिकतम तापमान 32.2 17.4 न्यूनतम तापमान 6:30 सुबनी 6:28 सुबनी सुबनी 19 मार्च तक बदल रहा रहे, बरिस के कम रहे अपार।

ट्रप को ना-टो

सहयोगी देशों से US के मदद की अपील के बाद कई राष्ट्रपति ने होमजुज को खोले देशों ने अपने युद्धपोत भेजने रखने के लिए मदद मांगी थी से इनकार कर दिया है

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति जोनरट ट्रप के सहयोगी देशों से होमजुज नलदमकमय खूना रखने के लिए युद्धपोत भेजने की अपील का अस्तर नहीं दिया रहा। कई देशों ने युद्धपोत भेजने के लिए हार्म नहीं मरी है। इसके बाद ट्रप ने कहा कि अगर सहयोगी देश होमजुज नलदमकमय की सुरक्षा में मदद नहीं करते हैं तो वह इसे बंद रखेंगे।

उसके बाद NATO के बीचों बीच के लिए बहुत बुरा होगा। फ्रांसिनाल हाइमन को लिए ट्रप ने उम्मीदें कहा कि चीन से नलदमकमय की सुरक्षा में मदद की उम्मीद है।

अगर सहयोगी मदद नहीं करते हैं तो NATO के लिए बहुत बुरा होगा।

सह ही वह भी सही दिना कि मदद में करने पर वह चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग के साथ होने वाली मुलाकात को टाल सकते हैं। ट्रप ने कहा कि अगर सहयोगी देश मदद नहीं करते हैं तो वह इसे बंद रखेंगे।

होमजुज नलदमकमय पर ट्रप की मदद की अपील के जवाब में चीन ने कहा कि चारों पक्ष पश्चिम एशिया में सैन्य अभियान तुल्य हैं। फ्रेंच के चीरम और स्टार्मर ने कहा कि वह पहले फिर से खोलने पर काम कर रहे हैं, लेकिन युद्ध में शामिल नहीं होंगे।

जपान ने समुद्री सुरक्षा अभियान शुरू न करने की बात कही है। अस्ट्रेलिया ने भी नौसैनिक जहाज भेजने की संभावना से इनकार किया है। जर्मनी ने कहा कि वह उसका युद्ध नहीं है। (इएनए: AP)



दुबई एयरपोर्ट पर ड्रॉन से हमला

दुबई एयरपोर्ट पर ड्रॉन से हमला

इसले के बाद एसादटर अहिरेशन थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा

पकड़ी गई सिलिंडर की जमाखोरी

दिल्ली पुलिस ने बहारी दिल्ली के मुकद्दस इलाके में अविध रूप से LPG सिलिंडरों की जमाखोरी पकड़ी। एमपीए की देवान मीनम से अलग-अलग कम्पनी के 610 सिलिंडर बरामद किए गए। उन्हें सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए रखा गया था। सिलिंडर भरने और खाली देने की तरह के थे। स्टॉक रिकॉर्ड में भी बड़ी गड़बड़ रहने आई।

वॉर अपडेट्स

■ LPG लैट्टे दो जहाजों में से एक शिवाधिक सोमवार को दुबारात के मुद्रा टॉट पर पहुंच गया।

■ दूसरा जहाज नव देवी मलवार को काठला बदरवाह पर पहुंचेगा।

■ जहाज 'जग सावरी' कर्मी 81 हजार टन कुड अयल के साथ अर रहा है। इसके भी मलवार को पहुंचने की उम्मीद है।

■ भरत ने कहा, होमजुज को लेकर US के साथ कोई बातचीत नहीं हुई। ईरान से 550 से ज्यादा भारतीयों ने अर्जेंटीना में प्रवेश किया।

राज्यसभा चुनाव: बिहार में NDA को 5 सीटें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली



राज्यसभा के चुनाव के लिए सोमवार को तीन राज्यों ओडिशा, हरियाणा और बिहार की 11 सीटों के लिए मतदान हुआ। ओडिशा में BJP दो और एक निर्दलीय उम्मीदवार और एक बीजेपी के उम्मीदवार ने जीत हासिल की। बिहार को चारों सीटों पर NDA उम्मीदवार जीते हैं। महाराष्ट्र में 4 MLA जीतने में सफल रहे। हरियाणा को दो निर्दलीय जीत गईं।

को दो सीटों पर महागणा पर अर्जुन के बाद नहीं होने का इंतजार रहा। राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव तो रहे हैं। 26 सीटों पर उम्मीदवार विजयी हुए हैं।

ओडिशा, हरियाणा और बिहार की 11 सीटों के लिए हुआ मतदान

हरियाणा से वनस्पता को दो सीटों के लिए अजयतन अजयतन जीतेंगे। पूर्व घोषित सेट्टल के हिस्से में शाम 5 बजे बार्डिंग शुरू होने की मांग शाम 9 बजे के बाद भी नहीं हुई।



बाइक रैली में आ रही है आप?

अनंतराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर NBT गुडगांव में लावा है आपके लिए अल पुनम वाइक रैली में शामिल होने का मौका। आज ही करा ले रजिस्ट्रेशन।

ऐसे बने हिस्सा 7003890071 पर AWBR लिखकर Whatsapp करें



24 भाषाओं में पुरस्कार

ममता कालिया को साहित्य अकादमी पुरस्कार का ऐलान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : हिंदी साहित्यकार ममता कालिया को 'संभवता' जैसी 'ने इलाहाबाद' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार-2025 दिया जाएगा।

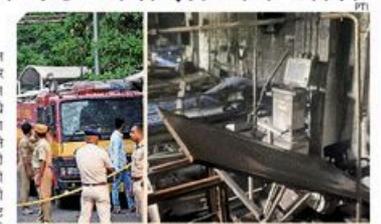
अभिनेत्री 'क्रियाना रिपिंग' (अपन्यास) के लिए मजबूत सन, उन्हें भी 'संभवता' में नामित किया है।

ममता कालिया

अभिनेत्री के लिए अजयतन सिंघ और पंचम के लिए अजयतन सिंघ को चुना गया है। पुरस्कार 31 मार्च को दिए जाएंगे। साहित्य अकादमी ने सोमवार को पुरस्कार की घोषणा की।

ओडिशा में अस्पताल के ICU में आग से 10 मरीजों की मौत

■ पीटीआई, भुवनेश्वर



भुवनेश्वर में हादसा मरीजों को बचाने हुए 11 कर्मचारी भी शूलस हुए

2 बार बिजली गई, फिर धुएँ से भरत ICU

एक प्रवासशर्मा ने बताया, 'बिजली दो बार गूल हुई और फिर अग लग गई और पूरे ICU में धुएँ भर गया। मैंने टनकल बर्मी को फोन किया और वे करीब 20 मिनट बाद पहुंचे। एक अन्य डॉक्टर ने बताया कि नर्स के कहने पर कुछ बिराले के उपकरणों को बंद कर ICU से 7 मरीजों को बाहर निकाला।

ऑस्कर के स्टेज से गुंजी जंग रोकने की अपील

■ एपी, लॉस एंजेलिस



सिंदूर पर कमेंट

अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर पर मुकद्दमा नहीं चलेगा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : हरियाणा सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में बलाक कि अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अशोक महामुदा के खिलाफ अवाल बंद करने का फैसला किया है। महामुदा पर 'अहिरेशन सिंदूर' से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट करने के लिए केस दर्ज किया गया था। कोर्ट ने कहा, 'हमें मॉडल को बच नहीं दिया रही कि प्रोफेसर अधिकार में विवेकपूर्ण तरीके से काम करेंगे। कई बार सिखी इतनी स्पेक्टिवल होती है कि सभी को चकचकान रहना पड़ता है।'

शिवका घोषणा और जैकिंग वाईम वन बैटल... छा गई

पॉल डॉनस एररसन की फिल्म 'वन बैटल अखटर अखटर' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म समेत 6 पुरस्कार जीते। यह फिल्म डॉनस पिछले के उपनास 'जहलौट' से प्रेरित है। एररसन ने इसे मनोवैज्ञानिक डॉक कॉमिडी एररशन-थिलर बनाया।

POCO

POCO C85x 5G

BATTERY KA KHILADI

सबसे किरफायती 5G फ़ोन!

6300 mAh

बैटरी

सेल जारी है

शुरुआती कीमत मात्र **₹ 10,999**

Circle to Search & Gemini के साथ

आपके नजदीकी स्टोर्स और उपलपकार पर उपलब्ध

दिल्ली की हवा में और सुधार, आखिरकार GRAP-1 भी हटा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ग्रीनहाउस गैसों के कारण दिल्ली की हवा में और सुधार दर्ज किया गया। इसके बाद ग्रेड 1 (GRAP-1) को हटा दिया गया। इस साल फरवरी और मार्च के दौरान GRAP-1 हटाया गया है। इससे ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में सुधार दर्ज किया गया है।

दुर्भाग्यवश, 'सामान्य' श्रेणी में आता है। दिल्ली एक सफाई से दिल्ली में AQI लगातार कम हो रहा था और हवा की दृश्यता में सामान्य स्तर को छेड़ने में लगी थी। कमिश्नर प्रो. ए.एस. कौशिक ने बताया कि (CAQM) ने सोमवार को GRAP-1 को हटाने का फैसला किया। आयोग ने आयोग नवी 4 बजे दिल्ली का AQI 119 दिखाया।



मौसम सुशुभ। सोमवार को फटी हुई हवाओं को जगह से मौसम रह सुलगा

बारिश ने फिर सुहाना बनाया मौसम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में फिर एक दिन की हल्की बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया। अब मौसम विभाग ने 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान जताया है। 20 मार्च के लिए विभाग ने बेसी अलर्ट भी जारी किया गया है, इस दिन हल्की बारिश के साथ तेज रफ्तार हवाएं चल सकती हैं। इस हिसाब से अगले कुछ दिनों में तेज हवाओं और हल्की बारिश के कारण दिन के तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट भी देखने को मिल सकती है। सोमवार को उठे हवाओं के साथ सुबह और रात को मौसम सुहाना रहा, हालांकि दिन में धूप तेज लगी। अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 17 मार्च को भी दिल्ली में अधिकतम रूप से बदल छात्र रहेंगे।

नमस्ते इंदिया दही

Creamy Delicious Dahi

390 g

₹35

अब 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान

1800-123-0800 | cm@nbt.in | www.namasteindiafoods.com

ये पिंग कार्ड बनवाना नहीं आसान... टोकन की मारामारी है, दिन पूरा खप जाना है

दिल्ली सरकार ने 2 मार्च को पिंग सहेली स्मार्ट कार्ड योजना की शुरुआत की थी। जिससे महिलाएं डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर कर सकें। पिंग कार्ड बनवाने के लिए 50 सेटर्स खोले गए हैं, जहां तड़के 4:30 बजे से ही महिलाओं की लंबी लाइन लग रही है। सुबह से लाइन में लगने के बाद कई महिलाओं का नंबर दोपहर बाद आ रहा है। सेटर्स पर कार्ड बनवाने में महिलाओं को क्या-क्या दिक्कतें आ रही हैं, पेश है बृजेश सिंह, सुदामा यादव, राजेश सरोहा, राम त्रिपाठी और राजेश पोद्दार की रिपोर्ट:

महिलाओं का कहना है कि ऑनलाइन मोड पर भी बनाए जाने चाहिए पिंग कार्ड



व्यवस्था से खुश नहीं दिखी महिलाएं

सुबह 7 बजे से लाइन में लगे हैं। एक बार रहे हैं, लेकिन नंबर नहीं आया है। कर्मचारी कोई औरतों को रोककर बतलाते हैं। लाइन में आने लगे हैं। सोमवार सिटिजन के लिए अलग से कोई लाइन भी नहीं है। विडो के बाहर लाइन में लगी 75 साल की सखी भावती का व्यवस्था से बहुत अधिक नाराज दिखी। उनके साथ लाइन में मारुत विहार-3 की सीनियर सिटिजन विनय, बबिता भी थीं। पताचुली से आई रीती और माधेनगर की लक्ष्मी कश्यप हैं कि इंटर दिल्ली में एक ही सेक्टर बनाया गया है।



नंद नगरी डिप्टी कमिश्नर (विद्युत) ऑफिस

सिर्फ एक ही काउंटर चालू मिला

यहां काउंटर के बाहर पिंग कार्ड के बड़े-बड़े साइन बोर्ड लगे हैं। साइन बोर्ड पर पिंग कार्ड से जुड़े हर एक जानकारी लिखी हुई है। यह भी लिखा है कि 5 साल से उससे अधिक उम्र की लड़कियां अपना पिंग कार्ड बनवा सकती हैं। रीजिस्ट्रेशन के लिए सिर्फ आधार कार्ड और आधार कार्ड पर रीजिस्टर्ड मोबाइल नंबर चाहिए। पिंग कार्ड बनवाने के लिए लाइन में लगी बुजुर्ग, राधिका और अरली ने बताया कि 5-6 महिलाओं को एक साथ अलग भेजा जा रहा है। जब उन महिलाओं का कार्ड बन जा रहा है, तो फिर इतनी तरह

से कारी महिलाओं को अलग भेजा जा रहा है। टोकन बांटने के लिए काउंटर में ही सुबह 9 बजे खुल, लेकिन महिलाएं वकरी राउंड में पहले से लाइन में खड़ी थीं। गुरुआत में सिर्फ 120 टोकन बांटे गए। क्या सिर्फ एक ही काउंटर काम कर रहा है। काउंटर पर तैनात कर्मचारी ने बताया कि एक काउंटर पर महिलाओं का रीजिस्ट्रेशन किया जा रहा है, जबकि दूसरे काउंटर से कार्ड दिए जा रहे हैं। टोकन लेने वाली महिलाओं के कार्ड बनने के बाद बिना टोकन वाली महिलाएं सीधे काउंटर पर कार्ड बनवा सकती हैं।

अभी 3 महीने तक बनेंगे पिंग कार्ड, चिंता न करें: CM



Chief Minister

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री के.ज. गृह ने पिंग कार्ड सेक्टर पर बढ़ते भीड़ पर बतलाते हुए उनके महिलाओं को जल्दबाजी का पता नहीं करने की अपील की है। सीएम ने कहा कि यह कार्ड अभी तीन महीने तक बनेंगे। इस दौरान पिंग कार्ड के साथ पिंग टिकट भी बन्य होगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि यह अवसर से जाई बचाना। जल्द पड़ी ले सेटर्स की संख्या बढ़ाई जाएगी।

सीएम ने बतलाते हुए कहा कि मुझे पता चल रहा है कि पिंग कार्ड सेक्टर पर बहुत भीड़ है। हमारी अपने लाइन में लम्बर कार्ड बनवा रही हैं। महिलाओं को पिंग कार्ड बनवाने को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। पिंग टिकट से मुफ्त सफर के लिए पिंग कार्ड बनने का काम अगले तीन महीने तक जारी रहेगा। इस दौरान सहेली पिंग कार्ड और पिंग टिकट दोनों साथ होंगे। किसी भी तरह से किसी भी बचन को कोई परेशानी नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपना सेक्टर पर जाएं और अपना पिंग कार्ड बनाएं। उन्होंने विचारों की आलोचना पर कहा कि पहले बचने में मुफ्त सफर के नाम पर बंधनकारी हो रहा था। पहले 100 महिलाएं कार्ड करती थीं, तो उसे एक हजार दिखाया जाता था। अब 100 बने टोकन करनी तो कर्मचारी को 100 टिकट की ही पैसे मिलेंगे। एक हजार करके तो एक हजार के मिलेंगे। इच्छाकर रुकने से रहा है तो उन लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। हमारी सरकार का मानना है कि जनता का पैसा है तो जनता की सुविधाओं में लगना चाहिए। पिंग कार्ड बनने के लिए सेक्टर को जल्दबाजी से नहीं खोल दिए जायें।

'सुबह के समय मचती है काफी आपा-धापी'

दिल्ली के बाहर से 4-5 कर्मचारी दिशाएं उजाड़ पकें में को DTC का सौकेन तक जाने के लिए लोगों को कुंठे की बंदूक का सहारा बनना पड़ रहा है। यहां एक हील में पिंग कार्ड बनाने के लिए 4 डिग्री खुली है। जलजल नगर के साथ गिन्कापुरी, मेहरा प्यार, जल विहार आदि में रहने वाली महिलाएं सुबह के समय अधिक आती हैं। महिलाओं ने बताया कि सुबह 7 बजे से ही कर्मचारी 100 सेक्टर लंबी लाइन बन जाती हैं। कर्मचारी आवा-धापी मचती हैं। दोपहर 2 बजे तक 120 सेक्टर पिंग कार्ड बन चुके थे। महिलाओं ने बताया कि लव के बाद अग्रिम से कार्ड बन रहे हैं।



टोकन मिलने में हो रही है दिक्कत

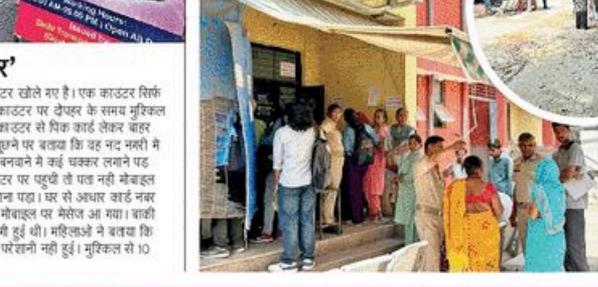
नंद नगरी सुबह 6 बजे टोकन आउटर नॉर्थ ऑफिस में अलग कार्ड बनवाने पहुंची। मुझे 85 नंबर का टोकन मिला। रीजिटर को भी आई थी, लेकिन टोकन नहीं मिला। लंबा टोकन हो गया है। मैं बाहर खड़ी आने वाली का हवाकर कर रही हूँ। यह बताने में टोकन नंबर की रहने वाली नहीं देती हैं। उन्होंने कहा, मैं टोकन चलाती हूँ। मैं दिन यह आने की वजह से मुझे टोकन बन करनी पड़ी। वही, अंततः वही टोकन लेने में बचता कि अलग उजाड़ लेसता दिन है। रीजिटर को मैं 9 बजे पहुंची थी, जब तक टोकन चला ही रहा था।

'लगाने पड़ गए कई चक्कर'

काउंटर के पास पिंग कार्ड बनाने के लिए काउंटर खोले गए हैं। एक काउंटर सिर्फ सीनियर सिटिजन के लिए बनाया गया है। इस काउंटर पर दोपहर के समय मुक्तिदा से 4-5 बुजुर्ग महिलाएं लाइन में लगी हुई थीं। काउंटर से पिंग कार्ड लेकर बाहर निकाली राजश्री ने पूछने पर बताया कि वह नंद नगरी में रहती हैं। पिंग कार्ड बनवाने में कई चक्कर लगाने पड़ गए। पहले जब काउंटर पर पहुंची तो पता नहीं मोबाइल पर मेसेज नहीं आया। इस कारण दोपहर का जमाना पड़ा। पर से आधार कार्ड नंबर पर रीजिस्टर्ड मोबाइल लेकर पहुंची तो इस बार मोबाइल पर मेसेज आ गया। बाकी दोनो काउंटर पर भी 7-8 महिलाएं लाइन में लगी हुई थीं। महिलाओं ने बताया कि उन पिंग कार्ड बनवाने में कितने तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। मुक्तिदा से 10 मिनट में उनका नंबर आ गया।

'तड़के 4:30 बजे टोकन, दोपहर में आया नंबर'

सुबह तड़के 4:30 बजे से टोकन की लाइन में हूँ। दोपहर साढ़ दो बजे नंबर आया है। यह कहना है कि इत्रका की जेम्स का। यह इत्रका सेक्टर-2 का फिरो सेक्टर पर पिंग कार्ड बनवाया गया था। मैं, नूरी ने बताया कि अमर कोसुं टोकन न ले, वी राम 5 बजे तक मैं कौरी नहीं आया। सरे सेटर्स पर मैं ही रही हूँ। सेक्टर के बहिष्कृत ने बताया कि इस सेक्टर पर टोकन 200 टोकन जारी किया जाते हैं। सबसे अधिक मरा-मरा टोकन लेने के लिए है। एक बार टोकन मिलने के बाद यह सुनिश्चित हो जाऊं कि कार्ड बन जायगा। इसलिए लीन तड़के 4 बजे से ही यहां लाइन में लग जाती हूँ। सोमवार दोपहर साढ़ दो बजे तक इस सेक्टर में सिर्फ 13 लोगों को पिंग कार्ड जारी किए गए थे।



द्वारका में मायद करती पुलिसकर्मी

क्या कहते हैं कर्मचारी

अंततः से सेक्टर में कार्ड बनाने वाले कर्मचारियों ने बताया कि अगर सारे अफेय से बतल रहा हो तो एक दिन में 150 से भी अधिक पिंग कार्ड बन जाते हैं। लेकिन सोमवार को 130 ही टोकन बांटे गए थे। हालांकि उन्होंने टिका कि वह इसके बाद भी कार्ड बनाने हैं।

सिस्टम को ऑनलाइन करे सरकार

वही, सेक्टर में मौजूद महिलाओं का कहना है कि 130 बार पूरे बन जाते, यही बहुत है। कई लोगों को टोकन मिलने के बाद भी आने दिना ही आने को कहा जाता है। हालांकि अपने दरवाजे कि 7 बजे भी कर्मचारी ले उसे टोकन नहीं मिलता। सुबह के जमाने महिलाएं यहां साधक करती रहती हैं। सरकार को इसे ऑनलाइन कर देना चाहिए, सिस्टम से अग्रिम से कार्ड बनवा सकें। कई महिलाओं ने बताया कि वह ऑफिस से टुकड़ी लेकर पहुंची हैं। कुछ ऐसे महिलाएं मिली, जो ऑटोपी नहीं आने को वजह से परेशान हो रही थीं।

...तो सभी महिलाओं के कार्ड बनने में लगेंगे दो साल!

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पिंग कार्ड बनवाने के लिए सेटर्स पर लंबी लाइनें लग रही हैं। प्रत्येक सेक्टर पर वेनान सिनियर काउंटर बन रहे हैं, अगर रफ्तार नहीं रही तो दिल्ली की सभी महिलाओं के कार्ड बनने में दो साल से भी अधिक समय लग सकता है। कारण यह है कि दिल्ली में 72 लाख से अधिक महिला हैं। जबकि अंततः वेनान केवल 150-200 पिंग कार्ड बांटे ही बनाए जा रहे हैं। सरकार ने 50 सेक्टर बनाए हैं। प्रत्येक सेक्टर पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कार्ड बनाए जा रहे हैं। हर सेक्टर पर महिलाओं को दो घण्टे में कुल 150 टोकन दिए जाते हैं। लंबा तक 100 टोकन और उसके बाद 50 टोकन दिए जाते हैं। 16 मार्च तक 1,10,416 पिंग कार्ड बन चुके हैं।

क्यों लगेंगे दो साल: पिंग कार्ड 5 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं का बन सकता है। अगर सिर्फ मरदान मुंबी में दर्ज महिला मरदानों का ही आंकड़ा ले, तो उनको संख्या 71 लाख से अधिक है। इस तरह अगर एक सेक्टर पर वेनान 200 कार्ड भी बनाते हैं, तो 50 सेक्टर पर वेनान अधिकतम 10,000 कार्ड बनोगे। इस हिसाब से एक महीने में करीब 3 लाख और पूरे साल में लगभग 36 लाख कार्ड ही बन पायेंगे, जब भी तब जब रीजिटर को भी पिंग कार्ड जारी पड़े। ऐसे में अगर केवल महिलाएं मरदान ही पिंग कार्ड बनायें, तो भी इसमें लगभग दो साल का समय लग सकता है।

ये आरंभ दिक्कतें

- कई महिलाओं को आधार कार्ड में दर्ज मोबाइल नंबर नलत है या खानू नहीं है।
- कई महिलाएं आधार कार्ड में दर्ज मोबाइल नंबर वास्तविक पता नहीं रखती हैं।
- सार्वर डाउन के कारण मोबाइल नंबर पर ऑटोपी नहीं आता। एमटीएनएल नंबर पर सबसे ज्यादा दिक्कतें हैं।
- पिंग कर्मचारी को पिंग कार्ड बनने का काम दिया गया है, उनका सार्वर शाम 4:45 बजे ही बंद हो जाता है।

ऑटोपी नहीं आने की दिक्कत

डीटीसी बस दिनों पर शम करीब साढ़ 4 बजे करीब 20-25 महिलाएं पिंग कार्ड बनाने के लिए खड़ी थीं। शाम 4:30 बजे तक 152 महिलाओं को कार्ड बन गए थे। इनमें उन महिलाओं को प्रत्येक टोकन दी जा रही थी, जिनको सुबह या दोपहर में टोकन मिला था। कुछ किंव टोकन वाली महिलाओं के कार्ड भी बने, लेकिन पहले टोकन लेने वाली के कार्ड जारी किए गए। वही, एक बुजुर्ग महिला राजकुमारी भी अपने पति के साथ दूसरी बार लाइन में खड़ी थीं। उनका कार्ड नहीं बन पा रहा था, क्योंकि उनके आधार से नूतने मोबाइल नंबर पर ऑटोपी नहीं आ रहा था। कर्मचारी ने बताया कि एमटीएनएल के नंबरो पर ऑटोपी अपने में सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही है। पूरापूर में बताया कि पिंग कार्ड पहले 100 टोकन बांटे जाते हैं और लंबे के बाद 50 टोकन दिए जाते हैं। पहले हैंड टोकन मिलते हैं, प्रत्येक टोकन मिलने के बाद 5 बजे तक आता है। तो सिर्फ टोकन वाली को बुलाया जाता है। शाम 4:30 बजे के बाद आने वाली को अपने पति के कार्ड बनाने वाले कर्मचारी का सार्वर 4:45 बजे ही बंद हो जाता है। वही, सीनियर ने बताया कि उनका कार्ड ले बन गया, लेकिन उनके तीसरी बार आना पड़ा। पहले दो बार उन्हें बहुत भीड़ मिली थी, इसलिए वह वापस कर गई थीं।

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनटीआर | मंगलवार, 17 मार्च 2026

शक्ति को कल्पपूर्वक कायम नहीं रखा जा सकता, वह केवल समझ और सहमति से ही प्राप्त होती है।

- अल्बर्ट आइंस्टाइन

फंस गए ट्रंप

ईरान के खिलाफ अमेरिकन एफिका मुव्ही लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि 'यह जंग उठाने का इरादा नहीं है'। हालांकि वे अपने वाक्यांशों के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि वे अपने वाक्यांशों को धमकाने की कोशिश करते हैं, वह जानती हैं कि ईरान की धमकानों को आकने से अमेरिकन-इराकल से चुक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलें हैं जो जाहिर हो रही हैं, जो उन्होंने होमजु स्टेट को लेकर की हैं।

दबाव की रणनीति | ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होमजु स्टेट को दबाने के लिए आगे आएँ। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो सफ़र और इन्फोर्मेशन कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनी का हवाला दिया है। इस ब्रेकडौन पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेंसिंग को 'बद' दिखाने के लिए होमजु स्टेट से होकर उतारना '90% तेल' जाह है, और उनकी चीन खासा टल भी सकती है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की केवला बतानी है कि ट्रंप फ्रंट महसूस कर रहे हैं।

एकतरफा फैसला | अमेरिका और इराकल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध तैयार किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई गलत फिकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य श्रेय इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी थी, बल्कि लेजर ट्रंप आन तक नवज कभार जति है।

तेल पर असर | अमेरिका-इराकल युद्ध ईरान की त्कत को ही भांपने में गलत खबित नहीं हुए, बल्कि एक समझौते की चुक कर गए कि संघर्ष किन्ता व्यक्त हो सकता है। अब इराकल असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बड़नी अतिरिक्तन ने कूड-ऑफर के तम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है।

बड़ी चुक | इराकल पर सफ़रगोई की उम्मीदें टूटने से अब भी नहीं जा सकती हैं। वह तो अपने दावे पर कायम है कि ईरान समझौता करना चाहते हैं, जबकि नेशनल-बार्-बार् कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आसामकत का जवाब दिखाना चाहिए। अमेरिकी मॉडिय और वहां के कई जनता मान रहे हैं कि जाहंगीरान से बड़ी चुक हो गई। ईरान युद्ध पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आकलन और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

ऐवें कुछ भी

नैना ठग लेंगे

नैन लड़ जाई तो मनमा में कसक होइये करी कविश्रेण ने मुझे पहले आगह कर दिख था। मेरे नैनो में कसक हो गई थी, निभाएण के निरु डॉक्टर के चालू नंबर लगाया। जब हजार रुपये की फीस जमा की तो मनमा में भी भारी कसक हुई। ऐसे ही एक महोई डॉक्टर ने मरीज ने पूछा, 'इलाज से फरफा हो रहा है?' मरीज ने सफ़र कर दिया, 'किन्ता आधो फरफा हो रहा है, उनन नहीं।'

उर, फीस जमा करके उस एरिज में बैठे चला दवा टपका कर आंखों की पुनर्निर्माण फेल्सई जाती है। जगह कम थी, मरीज तह करके एक दूसरे की काल में बैठाए जा रहे थे। ऐसे में एक बप-वेदा-वह की तिक्की बहा पहुंची। अडेटेड ने कहा कि बुगुं के सास एक ही रह सकता है। थोड़ी बहस के बाद साफ़ हवा कि जरूरत टोनी की थी। वेदा विशालकाय बुगुं को सहालने के लिए शारीरिक रूप से जबरन ही आर डॉक्टरों को बस समझने के लिए बहू उल्टे रूप से।

नागत में छोटे से नैनो जी। कुछ सरगना टाडप नाम था उनका। उस करीब 70 साल, साध में पेंते। आंखों में दवा और मन में अजनबितास लिए बैठे थे। आंखें बंद थीं, लेकिन हर आहत को टटोकर पेंते के दिग्गम का दर्शन कर रहा था, 'क कीन आख, वहां कीन बैस है, चिल्ल कौन रहा है, कौन कसुं रहा है?'

अखनक लता कि कोई 'सेव', 'यह आकसकली है। अब आण गमपुन प्रकट सिंके से जबरन सफ़र सुनिर्ण।' गौर से देखा कि एक मरीज डॉक्टर के समने बैसकर उसी आंख में क छ ग प फेकर सुना रहा था। लोनी क अडेटेड आख और वागत में बैठी महिल की आंखों में दवा टपकाई। अकसक कर महिल ने चट से उसकी कलाई पर चाल लगा दी। जाद में समझ आया कि पुनर्नी फैलाने वाली दवा के असर से नेचारी टग गई थी। हम समझने जा ही रहे थे कि अडेटेड बेला, 'अपनी चिंत करो, चप्पा उतरो, आंख में दवा डालनी है!'



बोल वचन
दिलीप लाल



चौखट पर चढ़ना
चौखट शब्द का सम्बन्ध अर्थ दरबाने के चबे और लण लकड़ी या उससे बकर-निक्कलना भी होना है। इसी तरह 'किसी की चौखट पर जाना' सम्भवतः किसी से मिलने या सहयोग मांगने का संकेत देता है, जबकि 'अव भी उसकी चौखट पर नहीं जाऊंगा' वाक्य स्थापितन का भाव प्रकट करता है। अर्थो में चौखट को door frame कहते हैं। शब्द इस्तेमाल फेते प्रेम को कल लेण चौखट का बने हैं। चौखटबंद कहते हैं, तो दरवाजा अथ निष्पन्न च विद्वानों से नव हूआ हो जाते हैं। 'चौखटे में बज्जला होना' एक प्रभाव है, जिसका अर्थ होना है सौभाग्य से बंध होना।

www.nbdnews.com

खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में काम करते हैं भारतीय, तेल-LPG बन सकते हैं मुद्दा इन चुनावों में भी दिखेगा ईरान का असर

चीन आयोग ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव की तारीखों का ऐलान करते समय किया है, जब देश-दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं। खाड़ी क्षेत्र में LPG की आशंका से युद्ध स्थिति को किल्लत बढ़नी तेल कीमतें गिरना श्रेय बाजार और अर्थव्यवस्था पर दबाव चिंत बढ़ा रहे हैं। ईरान और अमेरिका-इराकल तनाव के कारण कई भारतीय वहां फंसे हैं। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के तेलों लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं, इसलिए वहां की स्थिति इन राज्यों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित कर सकती है।

कई सवाल | इस बार फेरल मुद्दों के साथ वैश्विक हालात का असर भी दिख सकता है। ऐसे में कई सवाल हैं। क्या ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में चौबीस कर सभा में लौटने के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। BJP उन्हें सभा से हटाने की कोशिश में है। दोनों के बीच कड़ा मुकामला माना जा रहा है। बंगाल की राजनीति में बल्लेश शर्मा, सुरेश और सामाजिक समीकरण अंधा भूरे हैं। चुनावी कार्यक्रम घोषित होने से पहले ममता ने कर्मचारी, पेशवरी और शिक्षकों के लॉन्च मारफां भते के मुकाम का ऐलान किया। साथ ही पुनारिखे और मुअज्जिन के मानदेय 500 से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया।

घोटालों का आरोप | BJP सुरेश, शंकराचार, कानून-व्यवस्था और वेवेनगारी को मुच बनावार ममता सरकार पर हमला कर रही हैं। शिक्षक भर्ती, कोमला और गशन थोडालों को भी उडालता जा रहा है। वहीं, ममता केंद्र पर एजेसियों के दुराभेग का आरोप लगाते हुए लक्ष्मी भंडार, उडकवित्त व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को उपलब्ध बत रही हैं।

बदल रहे समीकरण |

लेफ्ट और कांग्रेस के कमजोर होने के बाद बंगाल में तमिलनाडु समीकरण बन चुका है। इस बार BJP हो ममता को सौंपी चुनौती देनी दिखती है। लेफ्ट के कमजोर होने के बाद फुल्लिम चोसई TMC की ओर गए, कुछ हिंदू चोट BJP को मिले। अब असमहिता ओवोसई को AIMIM और अन्य नई तकने समीकरण बदलने की कोशिश में है।



चुनौतियों के बीच चुनाव
■ केरल-तमिलनाडु के कई लोग पश्चिम एशिया में फंसे हैं
■ पश्चिम बंगाल में घुसपैठ व बांग्लादेश सीमा असम मुद्दे
■ दक्षिण में बनते हुए समीकरण, क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत

कमजोर होने के बाद फुल्लिम चोसई TMC की ओर गए, कुछ हिंदू चोट BJP को मिले। अब असमहिता ओवोसई को AIMIM और अन्य नई तकने समीकरण बदलने की कोशिश में है।

क्षेत्रीय दलों का सहारा | तमिलनाडु में BJP और कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सहारे चुनाव लड़ती हैं। यहां मुख्य फुकाकला DMK और AIMDM के बीच है। जयकलित के निष्पन्न के बाद AIMDM कमजोर हुए। कमजोर होने से शक्ति होने से पार्टी को बड़ा इशारा लगा है। दूसरी ओर मुल्लम्मो एमके स्टुलिन के नेतृत्व में DMK अपना गमबंभन मजबूत कर रही है। अतिरिक्त विजय को धरुण तमिषण वेदी कडुगम तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है।

BJP को भरोसा | केरल में LDF देश में लेफ्ट का

आखिरी मजबूत पद माना जाता है। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाली सरकार को अंतर्देश का सम्भन करना पड़ा है। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला कूडदंड डेमेक्रैटिक फ्रंट सभा विरोधी लहर का फायदा उठाने की कोशिश में है। BJP विधानसभा में खान नहीं खोल पाई, पर फिल्टर खल डिस्बर में तिलवन्तपुर नगर निगम जीकर मेयर बनाने को राज्य में बन्दे प्रभाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

सिंहमस टेस्ट | असम में मुल्लम्मो विभक्त विजय सभा पूरे आसविशवास के साथ चुनावी मैदान में है। यह अर्थव्यवस्था और विकास को मुख्य मुच बना रहे हैं। BJP का कहना है कि उनकी सरकार ने बुनियादी ढांचे, निवेश और कानून-व्यवस्था में काम किया है और तीसरी बार सभा में उसके लौटने की उम्मीद कर रही है। 2023 में हुए परिसंभन को विरोधी दलों ने राजनीतिक संतुलन बिगाड़ने वाला बतलाया है, जबकि BJP इसे सार्वजनिक प्रक्रिया मानती है। कांग्रेस पूरी ताकत से महाराष्ट्र, वेवेनगारी, विज्ञान और बुनियादी ढांचे को मुच बनावर चुनाव लड़ रही है और बड़ा गमबंभन बनाने की कोशिश में है। यह चुनाव कांग्रेस और BJP-दोनों के लिए लिटमस टेस्ट होगा। (लेखक श्रीरध फकरम है)

कांटे की बात

विदेशी लीगों की प्रेषाहणियों के भारतीय महिलाओं को पकिस्तानी खिलाड़ियों को खरीदने से परहेज करना चाहिए। वह जो फीस पकिस्तानी खिलाड़ी को देते, उससे वह अपनी सरकार को इनकम टैक्स देते, जिससे उनकी सरकार हथियार खरीदेगी।

सुनील गावस्कर, पूर्व क्रिकेटर

डॉक्टरों का भी 'डॉक्टर' है यह रोबोट

MedOS बुनियाद का फलन रोगों मेंडिकल सिस्टम है। यह बीमारी के लक्षण और टेस्ट रिजल्ट देखकर डॉक्टरों को इलाज का तरीका बताता है। इसे स्टैनफोर्ड और पिसटन बुनियादीसिटी के रिसर्चर्स ने बनाया है। अभी यह डॉक्टरों के साथ काम कर रहा है।

प्रदीप सिवारी

जनाता जयवाहन

एनए सिटी के कई स्टॉक ने अपने क्लिजिमेरी टिकर खेरे। 'मैसुम' द्वारा आरके पास एक मुद्दे-खोसरा टिकर मिनट शकरो?।

महानगरों के लिए क्यों सही है रैपिड रेल

रैपिड रेल से दिल्ली और मेरठ के बीच का 82 किमी का सफर एक घंटे से भी कम वकन में पूरा होने लगा। इससे महानगरों में मरीज ने जनासंख्य के बेंडा कम किया जा सकता है। दिल्ली में बढ़ते जनसंख्य के चलते अडपान 1956 में ही लगाया गया था। इसी संघ के साथ 1985 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) प्लानिंग बोर्ड बना और फिर रैपिड रेल का विचार समने आया।

समस्याएं सुलझाईं | खाड़ी की कम लोपी तै महानगरों में प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, सलम और अर्थविक्रम बरतने की समस्या कम होगी। आसपास के छोटे शहरों का विकास होगा और वेगानर के अवसर बढ़ेंगे। दूरदराज से लगे बड़े शहरों में कर्मचारी आने हैं। वे बस-ट्रेन पर ज्यादा निर्भर हैं। भारतीय रेलवे का मुख्य काम लंबी दूरी की ट्रेने चलाना है, लेकिन उसे 100 किमी के लिए भी इंटरसिटी ट्रेन चकानी पड़ती है। इससे ट्रेन पर बोझ बढ़ता है।

बिना अतिवाद स्त्री मुद्दों पर लिखती हैं ममता

ममता कालिया एकांतिक आत्म-मंभन और सामूहिक अर्थव्यवस्था को अपने कलात्मक विवेक से ब्रिहित और निरंतरता से रेखनिक करते वाली रचनाकार हैं। बहुमुखी लेखिका, लिखने में फिल्ले पांच दशकों से अर्थिक समर्थक अपनी लेखनी से हिंदी कहानी, उपन्यास, कविता, नाटक, संस्मरण और निबंध जैसी विधाओं को समुद्र विखर। उनके लेखनों में जिन शहरों का जिक्र आता है, उनमें इलाहाबाद (अब प्रयागज) सबसे प्रमुख है। इस शहर का अर्थव्यवस्था और इससे जुड़ी उनकी निष्पन्न व्यक्तित्व जिंजी की 'जीने जी इलाहाबाद' में देखा जा सकता है। आरंभ में उन्होंने ओडो में कविताएँ लिखीं, लेकिन प्रयागज आकर रवींद्र कालिकाएँ और अन्य हिंदी शब्दिसंकाएँ - इलाहाबादी बर्ष, अर्धपुन्य, अमरकंठ, इलाहाबादी जेशी आदि के संघर्ष में आने के बाद वह पूरी तरह हिंदी सभित्य में समर्पित हो गईं।

तने-बने हैं। वहां प्रेम के रंग कल्पनिक रंगों से बेंडा लिन हैं।' उनकी कहानियाँ वेगामर के जीवन से निकलती हैं - कामधर्मी स्त्री की डेहरी जिगमारी, वैश्विक संबंधों में असंतुलन, सम्भन का पाखंड। उनकी कविताएँ फेरुलु जीवन की कड़वी सचवाई और स्त्री के मरुमू विद्रोह को व्यक्त करती हैं। उनका प्रसिद्ध संघ 'खादी फेरुलु औरत' है।

साहित्य अकादमी सम्मान पर विशेष
के संघर्ष से अलग या कमतर नहीं मानती, बल्कि सम्भनशास्त्रीय रूप से अर्थिक कहानियाँ बतानी हैं। उन्होंने 200 से अधिक कहानियाँ लिखीं - 11 उपन्यास, कई कविता-संग्रह, नाटक और संस्मरण दिए। वह अपने पहले ही उपन्यास 'वेगार' में घर-परिवार की असुरक्षा और स्त्री की फाकत की खोज करती नजर आती हैं। 'नरक दर नरक' में वैश्विक संबंधों की जटिलताओं और फारिसिक यतनओं का चिकन किया है। लक्षिकेय, एक पत्नी के नेतृत्व, दुश्कर्म सुकर्म, लौ - और उनकी अलग तमाम रचनाओं में एक ही गूणी के अंतर्भन के गहन साहित्यिकता को पकड़ जा सकता है। 'वह लिखती हैं', 'पध्दगीय जीवन के अपने

कहीं दूसरों की तारीफ हमारे भीतर अहंकार को न बढ़ा दे

व्यवहार से सम्भन में जो उचित कानी है, वही मनुष्य का व्यक्तित्व कलवती है। जीने को तो लेण किसी भी तरह जीवन विव लेते हैं, लेकिन जब आचरण में आलसता और व्यवहार में मधुलता आगिती हो जाती है, तब जीवन सख और अर्थपूर्ण हो जाता है। अकसर हम अपने व्यवहार का सही आकलन नहीं कर पाते, लेकिन जब अपनी फलनियों को समझने का प्रयास करते हैं, तो वही आत्मनिरीक्षण बन जाता है। वही आत्मनिरीक्षण व्यक्त को आगे बढ़ने की दिशा देता है और सफलता की पहली सौंदी भी बनता है।

आलेचना को लेण नकारात्मक रूप में लेते हैं, जबकि सही अर्थों में वही हमारे व्यक्तित्व का मूळबंभन करने का अवसर देती है। आलेचना हमारी कविषों को उजागर करती है और उन्हें सुधारने की राह दिखाती है। आलेचना से सौख लेजर को उभर सार का प्रयास करता है, तब उसका व्यक्तित्व धरि-धरि निखलने लगता है। इससे हमें यही सौख मिलती है कि परिचितियों कैसी भी हों, सचवाई का साथ नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि वह व्यक्तित्व को बढ़ाई और विश्वास प्रदान करती है। ऐसे व्यक्तित्व पर लेण परेस कर लेते हैं और उनका सम्भन करते हैं। व्यक्तित्व के विकास के लिए हमें अज्जा श्रेणत भी बनना चाहिए। जब हम सम्भने खले की बतों को ध्यान से सुनते हैं, तो हमारे भीतर समझ और संवेदनशीलता बढ़ती है। इसी के साथ संघ व नरिये भी बदलता है। अज्जा व्यक्तित्व तभी बन पाता है, जब दूसरों की अज्जाओं को देखने का हमारा नरिये बदलता है। हमारे हाव-भाव और संकेत भी हमारे विचारों को प्रकट करते हैं, इसलिए समय-समय पर अपने भीतर आकलन रखने को सुधारते रहना आवश्यक है। प्रश्न भी व्यक्तित्व को प्रभावित करती हैं। यह मन में मधुलता घोलती है, पर उसके भीतर अहंकार का खतव भी छिप होत है। इसलिए धैर्यवान और सनग लेण प्रश्नर को विनम्रता के साथ व्यवहार करते हैं और उसे बेतार कार्य करते की प्रेरणा बन लेते हैं। वही संतुलन किशर के व्यक्तित्व को परिष्कार बनाता है।

रिडर्स सेल
मतदाताओं का भरोसा
16 मार्च का संघाटकीय 'आधेण की चुनौती' पढ़ा। इतने बड़े चुनाव केवल मतदाताओं की संख्य के कारण चुनौतीपूर्ण नहीं है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा बनाए रखना भी उसकी महत्त्वपूर्ण है। SAR को लेकर नाम कटने के आगेपे और चुनाव आयोग पर उनसे सवाल पित्त की जाता है। लोकसभ में चुनाव आधेण की निष्पन्नता और संतुलन बनाए रखे, ताकि सभी दलों और मतदाताओं का विश्वास चुनाव प्रक्रिया पर बना रहे।

मृगाल गोस्वामी, इंपैत से नbdtdit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ भेजें।

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in